Tender Heart High School, Sector 33-B Chandigarh
Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page -1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग-6
पाठ-2 'ईदगाह'
लेखक - 'मुंशी प्रेमचंद'

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

यह पाठ-2 'ईदगाह' कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग-6 की पृष्ठ संख्या-10 में दिया गया है। यह पाठ आपको 11 अप्रैल, 2022 को को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो ! आज हम पाठ-2 'ईदगाह' का अगला भाग पढ़ेंगे। इस लिए सभी बच्चे अपनी हिन्दी की पुस्तक नवतरंग भाग-6 का पृष्ठ - 10 निकाल लें और अपने पास हिन्दी की एक अभ्यास पुस्तिका भी रख लें क्योंकि मैं आपको पाठ के बीच में कुछ कार्य लिखने के लिए भी दूँगी। यदि आप तैयार हैं तो मैं आपको पाठ 'ईदगाह' का अगला भाग समझाने जा रही हूँ। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

बच्चो ! पाठ के पिछले भाग में हमने पढ़ा था कि सभी बच्चे मेले में मिट्टी के बने खिलौने खरीदते हैं। कई बच्चे रेवड़ियाँ और गुलाबजामुन खरीदते हैं परन्तु हामिद एक ओर खड़ा सब देख रहा है क्योंकि उसके पास मात्र तीन पैसे ही तो हैं। चलते-चलते हामिद एक लोहे की दुकान के पास रुक जाता है। वहाँ कई चिमटे रखे हुए थे, जिन्हें देख कर उसे ख्याल आता है कि वह अपनी दादी के लिए यह चिमटा ले ले क्योंकि तवे से रोटियाँ उतारते समय उसके हाथ जल जाते हैं।

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date- Class - VI
Subject- Hindi Literature Page- 2
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

बच्चो। अब मैं आपको आगे पाठ पढ़कर सुनाऊँगी एवं समझाऊँगी। सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।

बच्चो! जब हामिद दुकानदार से चिमटे का भाव पूछता है तब दुकानदार कहता है तुम्हारे काम का नहीं है। परन्तु हामिद के दोबारा पूछने पर वह कहता है छह पैसे का है, पर पाँच पैसे लगेंगे। हामिद ने डरते हुए पूछा तीन पैसे लोगे? दुकानदार ने तीन पैसे में हामिद को चिमटा दे दिया। हामिद चिमटा लेकर अपने मित्रों के पास पहुँचा। मोहसिन हँसकर कहता है - यह चिमटा क्या करेगा, इसे क्यों लाया है? हामिद ने अपना चिमटा ज़मीन पर पटकते हुए कहा - ज़रा अपना भिश्ती ज़मीन पर गिरा कर देखो अभी चूर-चूर हो जाए। एक दम से महमूद कहता है - यह तो चिमटा है कोई खिलौना थोड़ा है।

हामिद अकड़कर कहता है- खिलौना क्यों नहीं है! अभी कंधे पर रखा, बंदूक हो गई। हाथ में ले लिया, फकीरों का चिमटा हो गया। यदि एक चिमटा जमा दूँ, तो तुम लोगों के सारे खिलौनों की जान निकल जाए। तुम्हारे खिलौने कितना भी ज़ोर लगाएँ, मेरे चिमटे का बाल भी बाँका नहीं कर सकते। यह मेरा बहादुर शेर है चिमटा।

सम्मी ने हामिद की बातों से प्रभावित होकर कहा मेरी खंजरी से बदलोगे। इस पर हामिद ने कहा - मेरा चिमटा चाहे तो तुम्हारी खंजरी का पेट फाड़ डाले। बस एक चमड़े की झिल्ली लगा, ढब - ढब बोलने लगी। ज़रा-सा पानी लग जाए तो खत्म हो जाए। मेरा बहादुर चिमटा आग में, पानी में, आँधी में तूफ़ान में बराबर डटा खड़ा रहेगा। चिमटे ने सभी बच्चों को मोहित कर दिया था। अब सभी चिमटा पाने की तरकीब सोच रहे थे। पर हो कुछ

Scanned with CamScanner

Date- Class- VI
Subject- Hindi Literature Page- 3
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

नहीं हो सकता। अब तो पैसे भी खत्म हो चुके थे और घर वापिस भी जाना था।

बच्चो! मैंने आपको यहाँ तक पाठ समझा दिया है अब मैं आपको इसके आधार पर कुछ प्रश्न पूछूँगी। अब आप यहाँ तीन मिनट का अंतराल लेंगे और इन प्रश्नो के उत्तर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न -1. हामिद ने तीन पैसे में क्या खरीदा?

प्रश्न -2. सम्मी चिमटे के बदले अपना कौन सा खिलौना दे रहा था।

प्रश्न -3. 'बिकाऊ क्यों नहीं है? और यहाँ क्यों लाद लाए हो?" यह शब्द किसने किससे कहे।

बच्चो! अब आपका अंतराल का समय समाप्त हो गया है। अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी।

उत्तर -1. हामिद ने तीन पैसे में चिमटा खरीदा।

उत्तर -2. सम्मी चिमटे के बदले अपनी खँजरी दे रहा था।

उत्तर -3. यह शब्द हामिद ने दुकानदार से कहे।

बच्चो! अब मैं आपको आगे पाठ समझाऊँगी सभी बच्चे इसे ध्यानपूर्वक सुनेंगे एवं समझेंगे।

हामिद अब बहुत खुश लग रहा था जैसे उसने मैदान मार लिया हो। उसने तीन पैसे में ही रंग जमा लिया था। सभी बच्चे चिमटा हाथ में लेने के लिए हामिद को अपने-अपने खिलौने देना चाह रहे थे। फिर हामिद ने बारी-बारी अपना चिमटा सभी को दिखाया और उनके खिलौने भी अपने हाथ में पकड़ कर देखे।

फिर हामिद ने सभी को सांत्वना देते हुए कहा- मैं तो तुम्हें

Scanned with CamScanner